ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 26 सितम्बर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 204

सटोरियों का दावा- कमला अमेरिकी राष्ट्रपति बनेंगी:हैरिस पर 52% तो ट्रम्प पर 47% सट्टा लगा; डिबेट के बाद से कमला के पक्ष में माहौल



24 न्यूज अपडेट

वॉशिंगटन. अमेरिकी सट्टा बाजार के मुताबिक, कमला हैरिस अगली राष्ट्रपति हो सकती है। नवंबर में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सट्टा बाजार कमला हैरिस पर दांव लगा रहा है। बुधवार को कमला हैरिस की जीत पर औसतन 52%, तो ट्रम्प की जीत पर औसतन 47% सट्टा लगा है।

रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रम्प और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच सट्टा बाजार में कड़ा मुकाबला बना हुआ है। मंगलवार को कमला हैरिस की जीत पर 53% सट्टा लगा था, जिसमें बुधवार को 1% की गिरावट आई है। वहीं, मंगलवार को भी ट्रम्प की जीत पर 47% सट्टा ही लगा था। पिछले हफ्ते ट्रम्प पर औसतन 46% और कमला पर 53% सट्टा लगा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प के साथ पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट में कमला के शानदार प्रदर्शन और कई बड़ी हस्तियों के समर्थन के चलते कमला की स्थिति मजबूत हुई है।

ओपिनियन पोल्स में भी कमला, ट्रम्प से आगे

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर कराए जा रहे ओपिनियन पोल्स में भी कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रम्प को पीछे छोड़ती नजर आ रही हैं। ओपिनियन पोल्स में बुधवार को औसतन 55% लोगों ने कमला हैरिस के राष्ट्रपति बनने की संभावना जताई। वहीं, डोनाल्ड ट्रम्प के लिए ये आंकड़ा महज 45% रहा।

इससे पहले मंगलवार (24 सितंबर) को कमला की जीत की संभावना 54% थी, जिसमें बुधवार को 1% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं मंगलवार को ट्रम्प के जीतने की संभावना 45% थी। इसमें बुधवार किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ है। वहीं पिछले हफ्ते कमला की जीत की संभावना 54% और ट्रम्प की जीत की संभावना 46% थी।

देश का मानसून ट्रैकर:गुजरात के वडोदरा में 110km की रफ्तार से तूफान, 4 मौतें; मुंबई में भी 4 की जान गई; पुरी के कोणार्क मंदिर में पानी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. मुंबई और गुजरात में पिछले 24 घंटे में तूफान और बारिश के चलते 8 लोगों की जान चली गई। मुंबई में बुधवार शाम 5 घंटों में 3.9 इंच से ज्यादा बारिश हुई। सड़कों पर पानी भर गया और लोग जाम में फंस गए।

मुंबई एयरपोर्ट पर 14 फ्लाइट्स डायवर्ट करनी पड़ीं। 4 लोगों की जान चली गई, इनमें एक महिला की मौत मैनहोल में गिरने से हुई। मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट है।

मुंबई, ठाणे, पालघर, पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है। पुणे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा होनी थी, लेकिन ग्राउंड में पानी भरने के चलते इसे रद्द कर दिया गया है।

गुजरात के सूरत में बुधवार शाम 2 घंटे में 2 इंच बारिश हुई। कदरसा और संग्रामपुरा इलाके में नहरों में बाढ़ आ गई। बच्चे स्कूलों में फंस गए, जिन्हें दमकल ने रेस्क्यू किया। गुजरात में अगले चार दिनों तक बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

ओडिशा में कई इलाकों में पिछले 24 घंटे से बारिश हो रही है। पुरी में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर के कैंपस में पानी भर गया। मंदिर कैंपस से पानी निकालने के लिए पंप लगाए हैं।

हिमाचल में बादल फटने से एक की मौत, MP-यूपी में भी बारिश

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में गुरुवार को भारी बारिश के कारण बादल फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। राज्य में बुधवार शाम से हो रही बारिश के कारण NH-707 सहित 71 सड़कें बंद हैं।

मध्य प्रदेश के खंडवा में बुधवार को 9 घंटे में 2.3 इंच बारिश हुई। यहां भोपाल, इंदौर समेत 21 जिलों में भी बारिश हुई। उत्तर प्रदेश के मथुरा में बारिश से कई इलाकों में दो से तीन फीट तक पानी भर गया। शहर के रजिस्ट्री ऑफिस में भी पानी भर गया।

इस समय बारिश की वजह- मानसून की वापसी में देरी

IMD ने बताया कि 17 सितंबर को राजस्थान से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई शुरू होती है। इस बार 23 सितंबर यानी एक हफ्ते की देरी से हुआ। इसके कारण पुणे और मुंबई में 10-12 अक्टूबर से पहले मानसून खत्म होने की संभावना नहीं है। आमतौर पर महाराष्ट्र से मानसून की वापसी 5 अक्टूबर के आसपास होती है।

IMD वैज्ञानिक एस डी सनप ने बताया कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र बनने और इसके उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना के कारण 26 सितंबर से महाराष्ट्र में अच्छी बारिश होगी। महाराष्ट्र और गोवा में 28 सितंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है।

IMD के मुताबिक, महाराष्ट्र में इस मानसून सीजन में लंबे अंतराल के बाद बारिश शुरू हुई है। ऐसे में अक्टूबर में महाराष्ट्र से मानसून खत्म होने की भविष्यवाणी करना अभी जल्दबाजी होगी।

बंगाल में परीक्षा देने गए बिहार के कैंडिडेट्स से मारपीट:बोले- बिहार से हो तो बंगाल क्यों आए, लालू ने ममता को किया फोन



24 न्यूज अपडेट

पटना. बंगाल में SSC GD का फिजिकल टेस्ट देने गए बिहार के दो युवकों के साथ मारपीट हुई है। इसका वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में मारपीट करते नजर आ रहे शख्स का नाम रजत भट्टाचार्य बताया जा रहा है। रजत युवकों से कह रहा है कि, बिहार के हो तो बंगाल में परीक्षा देने क्यों आए हो। घटना पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की बताई जा रही है। इस मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और उनके बेटे तेजस्वी यादव ने CM ममता बनर्जी से फोन पर बात की है।आरजेडी के प्रदेश प्रवक्ता शक्ति यादव ने बताया कि लालू के फोन के बाद दोनों आरोपी पकड़े गए।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि बंगाल राष्ट्र है या देश का अंग। चिराग पासवान ने लिखा कि बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक बार फिर बिहारियों का अपमान किया है।

वीडियो में यलो रंग के कपड़े में रजत भट्टाचार्य कैंडिडेट्स से मारपीट करते दिख रहा है। रिपोर्ट्स की माने तो रजत भट्टाचार्य बांग्ला पाखो नाम के संगठन से जुड़ा है। रजत भट्टाचार्य ने पुलिस को बताया कि 'बिहार और यूपी से नकली प्रमाणपत्र लेकर बिहार के युवक एसएससी परीक्षा के लिए आ रहे हैं और हमारे युवकों की नौकरियां छीन रहे हैं। हम बांग्ला पाखो संगठन से हैं और हमें बताया गया था कि उनके पास नकली प्रमाणपत्र हैं। इसलिए हम उन्हें पकड़ने के लिए वहां गए थे। सोते हुए कैंडिडेट्स को उठाया और पीटने लगे

वायरल वीडियो में अंकित यादव सहित 2 छात्र सिलीगुड़ी में एक कमरे में सोए हुए थे। तभी बंगाल के कुछ लोग आए और उनको जबरदस्ती उठाने लगे। इसके बाद उनसे कई सवाल-जवाब किए। बांग्ला भाषा में कुछ लोग स्टूडेंट्स से सवाल पूछते हैं और कहते हैं कि बिहार से हो तो बंगाल में परीक्षा देने क्यों आए हो।

इस दौरान ये लोग बिहार के छात्रों से उनके डॉक्यूमेंट्स मांगते हैं। छात्र ने जब डॉक्यूमेंट्स दिखाने से मना किया तो एक छात्र के साथ एक व्यक्ति मारपीट करता है। उसे गाली देते हैं। इस दौरान वे लोग बिहार के छात्रों को जेल भेजने की भी धमकी भी देते नजर आ रहे हैं।

स्टूडेंट्स डॉक्यूमेंट दिखाने की जगह वापस बिहार लौट आने की बात कहता है। वे इसके लिए उठक-बैठक भी करते हैं और उन लोगों से माफी मांगते हैं। ये लोग छात्रों से उठक-बैठक करवाकर उन्हें जल्द से जल्द बिहार लौटने की धमकी देते हैं।

सेंसेक्स 85,930 और निफ्टी ने 26,250 का ऑलटाइम हाई बनाया:बाजार 666 अंक की तेजी के साथ 85,836 पर बंद, ऑटो सेक्टर के शेयर सबसे ज्यादा चढ़े



सेंसेक्स	तारीख	लेवल
ऑल टाइम हाई (अभी)	26/09/2024	85,930
ऑल टाइम हाई (पहले)	25/09/2024	85,247
क्लोजिंग हाई (अभी)	26/09/2024	85,836
क्लोजिंग हाई (पहले)	25/09/2024	85,169
निफ्टी	**तारीख**	**लेवल**
ऑल टाइम हाई (अभी)	26/09/2024	26,250
ऑल टाइम हाई (पहले)	25/09/2024	26,032
क्लोजिंग हाई (अभी)	26/09/2024	26,216
क्लोजिंग हाई (पहले)	25/09/2024	26,004

24 न्यूज अपडेट

मुंबई. शेयर बाजार ने आज यानी 26 सितंबर को लगातार 7वें दिन ऑल टाइम हाई बनाया। सेंसेक्स ने 85,930 और निफ्टी ने 26,250 का स्तर छुआ। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 666 अंक (0.78%) की तेजी के साथ 85,836 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 211 अंक (0.81%) की तेजी रही, ये 26,216 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 में तेजी और 4 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 41 में तेजी और 9 में गिरावट रही। NSE के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो ऑटो सेक्टर के शेयर्स में सबसे ज्यादा तेजी रही।

एशियाई बाजारों में आज तेजी

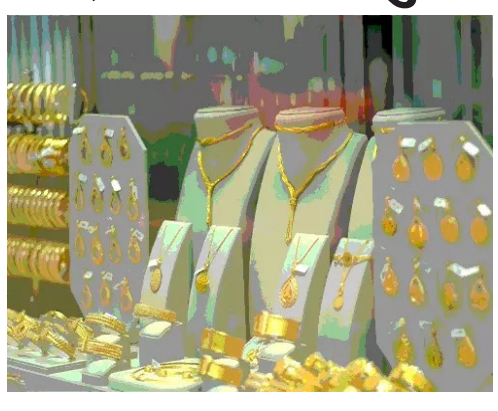
मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स और ITC ने बाजार को सबसे ज्यादा चढ़ाया। जबकि, लार्सन एंड टुब्रो और NTPC ने बाजार को नीचे खींचा। एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 2.79% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 4.16% की तेजी रही। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 3.61% चढ़ा। 25 सितंबर को अमेरिका का डाओ जोंस 0.70% गिरकर 41,914 पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.043% बढ़कर 18,082 पर बंद हुआ। S&P 500 0.19% गिरा।

NSE के डेटा के अनुसार, विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 25 सितंबर को 973.94 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 1,778.99 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

डिफ्यूजन इंजीनियर्स का IPO ओपन हुआ

डिफ्यूजन इंजीनियर्स लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी IPO आज ओपन हो गया है। निवेशक 30 सितंबर तक इस IPO के लिए बोली लगा सकते हैं। 4 अक्टूबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर लिस्ट होंगे।

₹ 75,406 के ऑल टाइम हाई पर सोना : इस हफ्ते अब तक ₹ 1,313 महंगा हो चुका है, चांदी ₹ 90,817 प्रति किलो पर पहुंची



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. सोने की कीमत आज (26 सितंबर) अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, गुरुवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 158 रुपए बढ़कर 75,406 रुपए पर पहुंच गया। इससे पहले बुधवार को इसके दाम 75,248 रुपए प्रति दस ग्राम थे। इस हफ्ते सोना अब तक 1,313 रुपए महंगा हो चुका है।

चांदी भी 87 रुपए महंगी हुई

चांदी की कीमत में भी आज बढ़त देखने को मिली। ये 87 रुपए महंगी होकर 90,817 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। इससे पहले चांदी 90,730 रुपए पर थी। इस साल चांदी 29 मई को अपने ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,180 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,600 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,020 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,650 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,070 रुपए है।

संपादकीय : घाटी में राजनय

जम्मू-कश्मीर पर स्वाभाविक रूप से दुनिया की नजर रहती है। पाकिस्तान इस इलाके को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी के बारे में गलतबयानी करता रहता है, वहां आतंकवाद फैलाने में जुटा हुआ है। हालांकि, ऐसी गतिविधियों में अपना कोई हाथ होने से भी वह लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन उसकी कारगुजारियां जगजाहिर हैं। दूसरी ओर, भारत सरकार ने वहां आतंकवाद पर काफी हद तक काबू पा लिया है और अब जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव में लोग काफी उत्साह से मतदान कर रहे हैं। दूसरे चरण के मतदान के दौरान घाटी में विभिन्न देशों के वरिष्ठ राजनयिकों का दौरा हुआ है। उन लोगों ने विभिन्न मतदान केंद्रों पर लोगों से बात की । कूटनीति के लिहाज से यह कवायद सार्थक लगती है । मतदान के दौरान विदेश मंत्रालय ने दिल्ली स्थित दूतावासों में कार्यरत राजनयिकों के लिए घाटी की यात्रा आयोजित की। इसके पीछे तर्क दिया गया कि इससे विभिन्न देशों तक जम्मू-कश्मीर के हालात की असल जानकारी पहुंच सकेगी। पहले चरण में मतदाताओं का काफी उत्साह दिखा। दूसरे चरण में भी मतदान के आंकड़े उत्साहजनक रहे । हालांकि, राजनयिकों की इस यात्रा पर विपक्षी दलों ने एतराज जताया है। नैशनल कांफ्रेंस के उमर अब्दुल्ला ने तल्ख लहजे में कहा कि हमें इन राजनयिकों के प्रमाणपत्र की जरूरत नहीं है। केंद्र सरकार विदेशी पत्रकारों को घाटी में आने की इजाजत नहीं देती, तो राजनयिकों को यहां लाकर आखिर क्या साबित करना चाहती है । दरअसल, अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित राज्य बनने के बाद घाटी में पैदा हुए हालात को लेकर दो विपरीत धारणाएं फैलाई जाती रही हैं। केंद्र सरकार का दावा है कि विशेष राज्य का दर्जा खत्म होने के बाद घाटी में स्थिति बेहतर हुई है, जबकि विपक्षी दल लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि वहां हालात ठीक नहीं है आतंकी घटनाओं और सुरक्षा 'बलों पर हमले बढ़ने को लेकर भी सवाल उठाए जाते रहे हैं। इन सबके बावजूद विधानसभा चुनाव में लोग बढ़- चढ़ कर मतदान करते देखे जा रहे हैं। पहले चरण में साठ फीसद से अधिक मतदान हुआ। दूसरे चरण में भी खूब उत्साह देखा जा रहा है। ऐसे में, केंद्र सरकार खुलकर कह सकती है कि विशेष राज्य का दर्जा हटाने का उसका फैसला गलत नहीं था और लोग उससे खुश हैं। अनुच्छेद 370 हटने के बाद, करीब चार वर्ष पहले भी यूरोपीय संसद के सदस्यों को घाटी में ले जाया गया था । तब भी सवाल उठाए गए थे। तब सरकार ने कहा था कि वह यात्रा एक स्वयंसेवी संगठन ने आयोजित की थी। पिछले महीने भी अमेरिका और जर्मनी के राजनयिकों को जम्मू-कश्मीर की यात्रा कराई गई थी। दरअसल, जम्मू- कश्मीर को लेकर भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद पर जब भी किसी देश ने मध्यस्थता की बात उठाई, भारत सरकार ने हमेशा उसे ठुकराया है। भारत सरकार का रुख रहा है कि जम्मू-कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है। इस नीति के हवाले से राजनयिकों के दौरे पर सवाल उठ रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि कहीं कश्मीर को लेकर फिर मध्यस्थता के लिए दबाव का सामना न करना पड़े। हालांकि, सरकार आश्वस्त है कि ऐसी नौबत नहीं आएगी और कूटनीतिक मंचों पर पाकिस्तान के तर्कों हमेशा की तरह कमजोर किया जा सकेगा। बहरहाल, समूची कवायद में यह स्वागतयोग्य है कि वहां लोकतंत्र की ताकत दिखी और इससे विदेशी राजनयिक भी रूबरू हुए।

मुठभेड़ पर मुठभेड़

महाराष्ट्र के बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी के मुठभेड़ में मारे जाने को लेकर स्वाभाविक ही सवाल उठ रहे हैं। बंबई हाई कोर्ट ने इस मुठभेड़ को लेकर महाराष्ट्र पुलिस के कार्यव्यवहार पर कई तीखे सवाल उठाए हैं। अदालत ने इस मुठभेड़ पर शंका जाहिर करते हुए जांच कराने का आदेश दे दिया है। महाराष्ट्र पुलिस पर उठ रहे सवाल उन सभी राज्यों की पुलिस पर भी सवाल हैं, जो मुठभेड़ दिखा कर आरोपियों को मार गिराती और उसे अपनी उपलब्धि बताती हैं। बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़ कोई अस्वाभाविक बात नहीं है। मगर इसे लेकर कुछ नियम-कायदे हैं। पुलिस के सामने जब भी ऐसी स्थिति आ जाए और आत्मरक्षा में गोली चलानी ही पड़ जाए, तो कमर के नीचे निशाना साधने का प्रशिक्षण दिया जाता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में हुई मुठभेड़ों के दौरान इस नियम कायदे का पालन कहीं नजर नहीं आता। इससे यही शक होता है कि पुलिस या तो अपनी कुछ कमियों को छिपाना चाहती है या उसे अदालतों पर विश्वास नहीं है, वह खुद फैसला करके दंड देने में सकीन करने लगी है। किसी आरोपी के मारे जाने से उस मामले से जुड़े कई तथ्य खत्म हो जाते हैं । इस तरह मामले की सच्चाई तक पहुंचने के रास्ते अवरुद्ध हो जाते हैं। फिर, किसी भी आरोपी को तब तक दोषी नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसका दोष सिद्ध न हो जाए। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हैं, कि किसी मामले में किसी गलत व्यक्ति को आरोपी बना दिया गया। मगर शायद राज्यों की पुलिस इस बात पर ज्यादा भरोसा करने लगी हैं कि आपराधिक मामलों का निर्णय वे खुद करें और वही दंड दें। कुछ नेता भी इसे उचित बता रहे हैं । इसीलिए पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में हुई मुठभेड़ों को लेकर सियासत गर्म है। उसमें एक आरोपी के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद जातिवादी समीकरण भी साधने का प्रयास किया गया। यह बिल्कुल ठीक नहीं है। मगर मुठभेड़ बता कर किसी आरोपी को मार डालना पुलिस और सरकारों के रवैए पर गहरे सवाल खड़े करता है । यह प्रवृत्ति किसी भी सभ्य समाज और कल्याणकारी सरकार की निशानी नहीं कही जा सकती।

आयड़ विनाशलीला : 75 करोड़ पानी में बहे, इस काम का पैसा कहां से आ रहा है, कहीं जनता को ही तो नहीं पड़ रहे आर्थिक जूते



24 न्यूज अपडेट

\आयड़ की विनाशलीला को विकासलीला में बदलने का खेल पूरी बेशर्मी के साथ जारी है। मानसून की वापसी की घोषणा के बाद से इस काम में जबर्दस्त तेजी आई है। एक दिन पहले आनंद प्लाजा वाले छोर पर जेसीबी लगा कर खड्डों को समतल करने का काम किया गया था तो आज गड्ढों को भरने के लिए आगे बहकर आ गए भराव को ट्रेक्टरों में भरकर डाला जा रहा है। आयड़ नदी में चल रहे इस काम में क्या हिसाब-किताब है कोई नहीं जानता। हमारे जन प्रतिनिधि भी जो बात-बात पर आयड़ का दौरा करके भाषणबाजी कर रहे थे वे भी यहां फटक तक नहीं रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को तो लगता है कि यह आदेश हो गए हैं किस इस काम की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखना है। जनता पूछ रही है कि इतने सारे मजदूरों और मशीनों के लवाजमे का खर्चा आखिर कौन उठा रहा है। ऐसा कौनसा कुबैर के खजाने का मुंह खुल गया है कि 75 करोड़ के काम पानी में बह जाने के बाद भी खर्चा किए जा रहे हैं। शहर में बारिश में हुए गड्ढे इनसे भरे नहीं जा रहे हैं मगर यहां आयड़ नदी में जेसीबी लगा कर दिन-रात गड्ढे भरे जा रहे हैं। मजे की बात ये है कि विपक्षी दल भी अपना मुंह बंद रख कर इस नुकसान की ना तो खुद ऑडिट कर रहे हैं ना ही मौके पर आकर ठोस सवाल उठा रहे हैं। इससे साफ हो रहा है कि यह खेल मिलीभगत का है। इसमें हो रहे खर्च का अगर हिसाब निकाला जाए तो या तो कोई बड़ा घोटाला सामने आ सकता है या फिर यह सामने आ सकता है कि किसी बड़े राजनेता का दबाव है जो यह चाहता है कि किसी भी तरह से आयड़ नदी की हत्या करने और उसमें महाविनाश के जो निशान मानसून में दिख गए वो दुबारा जनता को नहीं दिखें। कुछ महीनों बाद निकाय चुनावों की भी आहट शुरू होनी है। ऐसे में कोई भी दल नदी के महाविनाश के सवालों का सामना नहीं करना चाहता है। आयड़ नदी में यह घपले-घोटाले तब तक चलते रहेंगे जब तक शहर की सोई हुई जनता नहीं जाग जाती। और जनता जागेगी, इसकी उम्मीद कम है। बहरहाल, आने वाले समय में इस काम का भी जिला प्रशासन को किसी न्यायालय में जवाब देना पड़ सकता है। तब क्या बहाना बनाया जाएगा, यह देखनी वाली बात होगी।

वाह मेयर साहब, आपके होते हुए सड़कों पर हो रही है कमाल की इंजीनियरिंग,बारिश में भर रहे गड्ढे



24 न्यूज अपडेट

इधर बारिश बरस रही है उधर डामर हो रहा है। पूछने पर बता रहे हैं कि हमें क्या करना है, आप तो अपना कैमरा बंद कर दीजिए। आखिर ये उदयपुर शहर में हो क्या रहा है। आयड़ में 75 करोड़ के काम पानी में बहने के बाद पता नहीं कौनसे कुबेर के खजाने से खटाखट और धड़ाधड़ काम चल रहा है तो शहर की सड़कों पर आंख मूंदकर गड्ढे भरे जा रहे हैं। कुछ लोग सही कहते हैं कि बारिश जाते ही गड्ढे भरने का वार्षिक उद्योग धंधा चालू हो जाता है। वही के वही गड्ढे बरसों से भरे जा रहे हैं, हर साल वहीं पर गड्ढे हुए जा रहे हैं कोई देखने वाला तक नहीं है। यह नजारा शहर के व्यस्ततम चौराहे देहली गेट का है। यहां पर नगर निगम की बेसुधगी देखने को मिल रही है। भारी बारिश के भी निगम के कर्मचारी डामर से गड्ढे भरते दिखाई दे रहे हैं। या तो इन कर्मचारियों की प्रॉपर ट्रेनिंग नहीं हुई या फिर इनको इंस्ट्रक्शन देने वाले अधिकारी बहुत ज्यादा ओवरस्मार्ट हो गए हैं जिनको जनता के पैसों को पानी में बहाने की लत लग गई है। जब हमारे संवाददाता ने उनसे पूछा कि आप आखिर ऐसा क्यों कर रहे हो तो टीम का मुखिया बोला कि ये हमारी गलती नहीं, बारिश अचानक आ गई है। हमने पूछा जब बारिश आ गायी है तो उसके बाद भी डामर क्यों किया जा रहा है। इस पर उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और कैमरा बंद करने की बात कहते हुए कहा-मरने दो हमारे क्या करना है। और यह कह कर अपनी टिम के साथ रवाना हो गए। एक दुकानदार ने बताया कि क़रीब दो महीनों से यहां पर गड्ढा खुदा हुआ है। आज जैसे-तैसे उसको भरने के लिए निगम की टीम आई और बारिश में ही उसे भरकर चली गई। यह जनता के पैसों की बर्बादी है। कुछ लोगों ने कहा कि इस इंजीनियरिंग को देख कर लगता नहीं है कि शहर के मेयर साहब इंजीनियर हैं। किसी को कोई लेना देना नहीं है।

आईजी लांबा की विदाई, मीना का स्वागत, दोनों को गार्ड ऑफ ऑनर



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट.उदयपुर। उदयपुर रेंज के आईजी अजय पाल लाम्बा को आज उदयपुर आईजी कार्यालय से विदाई दी गई। इस मौके पर एसपी योगेश गोयल सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस बेंड ने आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। इस अवसर पर मौजूद अधिकारियों और कार्यालय के कर्मचारियों ने आईजी लाम्बा के साथ फ़ोटो भी खिंचवाए। उसके बाद अधिकारियों ने सम्मान के साथ कार को खींच कर आईजी अजयपाल लाम्बा को विदा किया। अब उदयपुर रेंज के नए आईजी राजेश मीना होंगे। मीना ने भी आज ज्वाइन किया तथा उन्हें भी गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर नए आईजी राजेश मीना ने कहा कि उदयपुर में बना रहेगा सांप्रदायिक सौहार्द। माहौल खराब करने वाले तत्वों पर निगरानी रखी जाएगी। उदयपुर एसपी योगेश गोयल और उनकी टीम ने आईजी का स्वागत किया। मीणा ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उदयपुर संभाग को लेकर अपनी प्राथमिकताएं बताईं। मीना ने कहा उदयपुर में सांप्रदायिक सौहार्द बनाने की कोशिश की जाएगी, उदयपुर में हालात खराब नहीं होने देंगे। उदयपुर में अब विशेषकर सांप्रदायिक माहौल खराब व तनाव की स्थिति पैदा करने वाले तत्वों पर निगरानी रखी जाएगी।

बड़गांव में गवरी का समापन : गवरी वलावण शोभायात्रा में उमड़ा धर्म उत्साह



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर से सटे बड़गांव में गुरुवार को वलावण के साथ ही गवरी का समापन हुआ।गुरुवार को खेड़ा माता चौक में गवरी रमी। यहीं पर गवरी में शामिल आदिवासी भाइयों को बहन बेटियों ने पेरावणी की। इसके बाद गवरी दल अपार जन समूह के साथ आशापुरा माता जी मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना के बाद हाथी पर सवार गौरज्या माता की शोभायात्रा शुरू हुई।

थाली मादल की थाप पर नाचते गवरी कलाकार और गौरज्या माता की शोभायात्रा जैसे जैसे आगे बढ़ती रही वैसे वैसे धर्म सैलाब उमड़ता गया। लोगों ने गौरज्या माता जी को नमन कर आशीर्वाद लिया। शाम को शुभ मुहूर्त में वर्षों से तय स्थान पर हाथी पर सवार गौरज्या माता को जल में विसर्जित किया।

देर रात हुई गवरी पंत की अग्नि परीक्षा

बुधवार देर रात आशापुरा माता जी मंदिर पर गवरी दल के प्रमुख पंत की अग्नि परीक्षा हुई । इन सभी ने अग्नि परीक्षा देकर गौरज्या माता के समक्ष यह प्रमाण दिया कि हमने तन मन से कठिन तपस्या और तप का पालन करते हुए गवरी व्रत का धर्म निभाया।

सड़क किनारे पानी के गड्ढे में बाइक समेत गिरे दंपती:पति की मौत, पत्नी को बचाया; लोग बोले- सड़क निर्माण के दौरान खोदा था



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा. भीलवाड़ा में सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में दंपती बाइक समेत जा गिरे। हादसे में पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी को लोगों ने बचा लिया। हादसा गुरुवार दोपहर 1 बजे जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर पारोली थाना इलाके में भगवानपुरा-देवखेड़ी रोड पर हुआ।

पारोली थाना के एएसआई गोपाल लाल मीणा ने बताया- थाना क्षेत्र के आसोप पंचायत के भगवानपुरा गांव में रहने वाला किसान लक्ष्मण बंजारा (34) पुत्र रामा बीमार पत्नी गीता (32) को इलाज के लिए बाइक पर बिशनिया गांव ले जा रहा था। इस दौरान अचानक बाइक के सामने गाय आ गई। बाइक का बैलेंस बिगड़ा और यह सड़क किनारे पानी के गड्ढे में जा गिरी। गड्ढा 20 से 25 फीट गहरा तथा 80 से 90 फीट फैला है। लक्ष्मण पानी में डूब गया। जबकि पत्नी गीता किसी तरह पानी से बाहर निकल आई। ग्रामीणों की मदद से बिशनिया गांव निवासी भोला गुर्जर ने 3 घंटे रेस्क्यू कर लक्ष्मण का शव पानी से निकाल लिया।

लक्ष्मण के भाई दिनेश बंजारा की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिनेश ने बताया भगवानपुरा गांव से करीब 15 किमी दूर यह हादसा हुआ। लक्ष्मण के चार संतान हैं। घर में वह इकलौता कमाने वाला था। हादसे की सूचना पर आसोप सरपंच रमेश शर्मा, अंकित पारीक,राजू बंजारा ,भाजपा नेता संजय शर्मा सहित बड़ी संख्या में बिशनिया और आसपास से आये ग्रामीणों की बड़ी संख्या में मौके पर जमा हो गए।

लोगों ने बताया कि भगवानपुरा-देवखेड़ी रोड नया बना है। सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार ने यहां से मिट्टी उठाई थी। इससे गहरा गड्ढा हो गया। इसमें बारिश का पानी भरने से यह तालाब बन गया।

पैदल चलते युवक पर लेपर्ड ने किया हमला:शोर मचाने और वाहनों के आने से बची जान, लेपर्ड जंगल की ओर भागा

24 न्यूज अपडेट



राजसमंद. राजसमंद में पैदल चलते युवक पर अचानक लेपर्ड ने हमला कर दिया। गनीमत रही कि युवक के शोर मचाने और तभी वाहनों के वहां आ जाने से लेपर्ड जंगल की ओर भाग गया जिससे युवक की जान बच गई। घटना राजनगर पुलिस थाना सर्कल के बोरज पंचायत के बोरज का खेड़ा गांव में बुधवार शाम साढ़े सात बजे की है। गांव के भंवर लाल गायरी (30) पुत्र पन्ना लाल गायरी के काम से घर लौटने के दौरान युवक पर लेपर्ड ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने युवक को आरके हॉस्पिटल पहुंचाया जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। उसे गुरुवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पिता बोले चिल्लाने और वाहनों के आने से बची जान युवक के पिता पन्नालाल गायरी ने बताया कि भंवर लाल जेसीबी पर हेल्पर है। काम करके वह अपने अपने गांव बोरज का खेड़ा की ओर जा रहा था। रास्ते में लेपर्ड मौजूद था। नहर के पास पुलिया पर बैठे लेपर्ड ने उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से भंवर लाल घबरा गया। वह जोर जोर से चिल्लाने लगा। तभी वहां एक ट्रैक्टर और बाइक आ गए। उनकी हेडलाइट से लेपर्ड घबराकर युवक को छोड़कर जंगल की ओर चला गया। अगस्त से अब तक 6 हमलों में 2 की जा चुकी है जान गत अगस्त और सितंबर माह में बोरज पंचायत व पिपलांत्री पंचायत क्षेत्र में लेपर्ड के करीब छह हमले हुए जिसमें एक महिला और एक पुरुष की जान जा चुकी है। वन विभाग ने इन क्षेत्रों से अब तक तीन लेपर्ड को पिंजरे में कैद कर लिया है, लेकिन लेपर्ड के हमले होने की घटनाएं नहीं रुकी हैं। युवक पर लेपर्ड की हमले की घटना के बाद लोगों में लेपर्ड का खौफ कायम है। बोरज का खेड़ा सहित, बोरज, मुंडोल, पिपलांत्री, पुठोल व सांगठकला क्षेत्र में लेपर्ड का खौफ कायम है।

भारत आये चीते 2 साल में आजाद हो लेंगे खुलकर सांस, अफ्रीका जैसे ताबड़तोड़ पकड़ेंगे रफ्तार



24 न्यूज अपडेट

श्योपुरः अक्टूबर महीने से पर्यटक श्योपुरी जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में सफारी का मजा ले सकेंगे, क्योंकि अगले हफ्ते यानी 1 अक्टूबर से कूनो नेशनल पार्क पर्यटकों के लिए खुल जाएगा. चीता प्रोजेक्ट शुरू होने के बाद से ही पर्यटकों में सबसे ज्यादा उत्साह और रोमांच इन चीतों को देखने में आता है, लेकिन एक बड़ी खुशखबरी इस बात की है कि अब पिछले 2 साल से पार्क में रह रहे चीते आजाद हो जाएंगे, वह खुले जंगल में रहेंगे.

आखिरकार मिल गयी अनुमति

चीता प्रोजेक्ट से जुड़े डीएफओ थिरुकुरल आर के मुताबिक 'कूनो नेशनल पार्क में लाए गए चीता प्रोजेक्ट के तहत सभी चीतों को चीता स्टीयरिंग कमेटी के निर्देश के अनुसार पिछले दो वर्षों से बाड़े में ही रखा जा रहा था. उन्हें खुले जंगल में छोड़े जाने का फैसला भी इसी कमेटी द्वारा लिया जाना था. हाल ही में चीता स्टीयरिंग कमेटी ने उन्हें खुले जंगल में छोड़ने के लिए अनुमति दे दी है. अब अक्टूबर के पहले हफ्ते में स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए चीतों को जंगल में छोड़ने पर फैसला लिया जाएगा.'

सबसे पहले नर चीता जोड़ा जाएगा जंगल

ऐसा नहीं है कि बाड़े में रह रहे सभी चीतों को एक साथ जंगल में छोड़ा जाएगा. इसके लिए कूनो प्रबंधन चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत इसकी शुरुआत करेगा. प्रबंधन ने फैसला किया है कि सबसे पहले नर चीता जोड़ा यानी दो नर चीतों को जंगल में भेजा जाएगा. यह वे चीते होंगे जो पहले भी बाड़े से निकलकर जंगल में घूम चुके हैं. ऐसे में माना जा रहा है कि यह जोड़ा जंगल में परिस्थितियों के हिसाब से अपने आप को ढालने में अनुकूल होंगे. इस चीता जोड़े को मिल सकती है सबसे पहले आजादी कूनो प्रबंधन की माने तो सबसे पहले नर चीता जोड़ा जंगल में परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढालने में और जंगल में सरवाइव करने के लिए बेहतर सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं. इसके लिए दो जोड़े चीता अग्नि-वायु और प्रभास-पावक में से किसी एक को जंगल में जाने की आजादी सबसे पहले मिल सकती है.'

अंतिम फैसला जंगल की परिस्थिति पर निर्भर

हालांकि इस सबके बीच में कूनो प्रबंधन के अधिकारियों का यह भी कहना है कि 'समय से अधिक और बार-बार हो रही बारिश की वजह से मौसम और जंगल की परिस्थितियों बदल रही हैं. चीतों को जंगल में छोड़ने से पहले इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि यह परिस्थितियों और जंगल इन चीतों के लिए अनुकूल हो. इन्हें किसी प्रकार के इंफेक्शन का खतरा ना हो, क्योंकि अगर हालात प्रतिकूल रहे तो चीतों को जंगल में छोड़ने का फैसला टाला जा सकता है और यदि सब ठीक रहा तो अक्टूबर के पहले ही हफ्ते में पहले जोड़े को जंगल में छोड़ा जा सकता है.

पहले चरण में इतने चीतों को छोड़ा जाएगा

2 साल का लंबा इंतजार और बाड़े में बंद 5 नर और 4 मादा चीतों के लिए आजादी का समय अब नजदीक आ रहा है. सब ठीक रहा तो एक-एक कर सभी को बड़े की कैद से आजादी मिल जाएगी. फिर कूनो नेशनल पार्क के जंगलों में यह चीते अपना जीवन जिएंगे और इस प्रोजेक्ट को सफलता की ओर ले जाएंगे. हालांकि कूनो में रह रही तीन मादा चीतों को फिलहाल जंगल में छोड़ने के फैसले से दूर रखा गया है, क्योंकि यह मादाएं अपने शावकों के साथ हैं.

सदस्यता अभियान में राजस्थान भाजपा पर नाराज हुए राष्ट्रीय संगठन-मंत्री:सवा करोड़ सदस्य बनाने थे, अभी 23 लाख बने; प्रदेशाध्यक्ष की तारीफ भी की, टारगेट से दोगुने मेंबर बनाए



24 न्यूज अपडेट

जयपुर. बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष ने प्रदेश में बीजेपी के सदस्यता अभियान की धीमी गति को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने बीजेपी के प्रदेश स्तर और जिला संयोजकों की बैठक में कम सदस्य बनाने के पीछे कारण पूछे।

इस पर संयोजकों ने कहा- इस समय खेती का समय चल रहा है, जिसके चलते सदस्यता कम रही है। बीएल संतोष ने कहा कि लोग खेती में व्यस्त हैं तो खेतों में जाकर सदस्य बनाएं। उन्होंने कहा- मैं यहां एक-एक व्यक्ति का रिकॉर्ड देखने आया हूं। किस व्यक्ति ने अपने मोबाइल से कितने सदस्य बनाए। हालांकि मीटिंग के दौरान उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की तारीफ भी की और कहा कि उन्होंने टारगेट से दोगुने सदस्य बनाए हैं। इसी तरीके से बाकी लोगों को भी काम करना चाहिए। राजस्थान में अभी 23 लाख सदस्य ही बने हैं। जबकि प्रदेश में 15 अक्टूबर तक सवा करोड़ बीजेपी सदस्य बनाने का लक्ष्य है। बैठक में कई संयोजकों ने सदस्य बनाने की प्रोसेस में दिक्कत भी बताई। इस पर बीएल संतोष ने कहा- राजस्थान में बड़ी संख्या में बीजेपी के जनप्रतिनिधि हैं। क्या आपने अपने जिले के जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और पार्षदों की बैठक ली। बीएल संतोष ने निर्देश दिए कि इन सभी को सदस्यता अभियान से जोड़ा जाए।

30 सितंबर को खत्म होगा पहला चरण

देशभर में बीजेपी का सदस्यता अभियान चल रहा है। 2 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदस्य बनाकर इस अभियान की शुरुआत हुई थी। प्रदेश में अभियान की शुरुआत 3 सितंबर को की गई थी। अभियान का पहला चरण 30 सितंबर को खत्म होगा। दूसरा चरण एक अक्टूबर से शुरू होगा।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बोले-कश्मीर में विपक्ष जीता तो पत्थरबाज आ जाएंगे

बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि आज देश-प्रदेश का नागरिक बीजेपी से जुड़ने के लिए उत्साहित है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि आज विपक्ष अराजकता और भ्रम पैदा करने की राजनीति कर रहा है।

मदन राठौड़ ने कहा- ये लोग कहते हैं कि अगर कश्मीर में उनकी सरकार आती है तो ये पहले जैसी स्थिति बना देंगे। मतलब ये लोग आर्टिकल 370 को फिर से बहाल करेंगे। अगर कश्मीर में इनकी सरकार बनेगी, तो कश्मीर में फिर से पत्थरबाज भी आ जाएंगे।

घरेलू हिंसा अधिनियम भारत में हर महिला पर लागू होता है, चाहे धार्मिक संबद्धता कुछ भी हो: सुप्रीम कोर्ट



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 भारत में प्रत्येक महिला पर लागू होता है, चाहे वह किसी भी धार्मिक समुदाय से संबंध रखती हो। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा, " यह अधिनियम नागरिक संहिता का एक हिस्सा है, जो भारत में प्रत्येक महिला पर लागू होता है, चाहे वह किसी भी धार्मिक संबद्धता और/या सामाजिक पृष्ठभूमि से संबंधित हो। इसका उद्देश्य संविधान के तहत प्रदत्त उसके अधिकारों की अधिक प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करना और घरेलू संबंधों में होने वाली घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं की सुरक्षा करना है । " पीठ ने यह टिप्पणी उच्च न्यायालय द्वारा एक मजिस्ट्रेट को अधिनियम की धारा 12 के तहत पारित आदेश में परिवर्तन/संशोधन के लिए धारा 25(2) के तहत आवेदन स्वीकार करने के निर्देश के खिलाफ एक अपील पर फैसला करते हुए की। इस मामले में, 23.02.2015 को मजिस्ट्रेट ने डीवी अधिनियम की धारा 12 के तहत एक आदेश पारित किया, जिसमें पत्नी को 12,000 रुपये मासिक भरण-पोषण और 1,00,000 रुपये मुआवजे के रूप में दिए जाने की अनुमति दी गई। आदेश अंतिम रूप से लागू हुआ। 2020 में, पति ने अधिनियम की धारा 25(2) के तहत एक आवेदन दायर किया, जिसमें परिस्थितियों में बदलाव के कारण आदेश को रद्द करने/संशोधित करने की मांग की गई। हालांकि मजिस्ट्रेट ने आवेदन खारिज कर दिया, लेकिन सत्र न्यायालय ने मजिस्ट्रेट को इस पर विचार करने का निर्देश दिया। सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ पत्नी की पुनरीक्षण याचिका को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया और उसने सर्वोच्च न्यायालय में अपील की। पत्नी ने तर्क दिया कि पति वास्तव में 2015 में पारित मूल आदेश को रद्द करने की मांग कर रहा है, जो धारा 25 (2) के तहत स्वीकार्य नहीं है। धारा 25 (2) के तहत आवेदन में, पति ने 2015 में पारित आदेश को रद्द करने और पत्नी को उसके द्वारा प्राप्त पूरी राशि वापस करने का निर्देश देने की मांग की। न्यायालय ने कहा कि निरस्तीकरण के लिए आवेदन किए जाने से पहले की अवधि के लिए 23.02.2015 के आदेश को रद्द नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने माना कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 (डीवी एक्ट) की धारा 12 के तहत पारित आदेश में परिवर्तन/संशोधन/निरसन केवल आदेश पारित होने के बाद हुए परिस्थितियों में परिवर्तन के आधार पर धारा 25(2) के माध्यम से मांगा जा सकता है। न्यायालय ने कहा, "अधिनियम की धारा 25(2) को लागू करने के लिए, अधिनियम के तहत आदेश पारित होने के बाद परिस्थितियों में बदलाव होना चाहिए।"

आदमखोर पेंथर ने किया पांचवां शिकार
झाड़ोल के सालूखेड़ा में मिला युवक का शव



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। आदमखोर पेंथर ने झाड़ोल के सालूखेड़ा में एक युवक को मौत के घाट उतार दिया है। यह जानकारी मिलते ही लोगों में दहशत छा गई है। जंगल के अलग-अलग इलाकों में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है। इससे पहले कल पेंथर ने एक बच्ची का शिकार कर लिया था। उदयपुर में दो पेंथर को पकड़ने के बाद से माना जा रहा था कि यही वे पेंथर हैं जो आदमखोर हुए हैं लेकिन अब शक गहरा गया है कि कहीं कुछ और पेंथर भी तो आदमखोर नहीं हो गए हैं। मौतों का सिलसिला रुक ही नहीं रहा है। इससे पहले गोगुंदा इलाके में बुधवार को पेंथर ने 5 साल की बच्ची का शिकार कर लिया था। जंगल में बच्ची की कटी हुई हथेली मिली व कुछ दूर पर शव पड़ा मिला। गांव वाले शव को देख ही रहे थे कि झाड़ियों के बीच से पेंथर आया और शव को उनकी आंखों के सामने से उठा कर ले गया। इसके बाद सर्च ऑपरेशन चला और आज करीब 17 घंटे बाद दोपहर 12 बजे बच्ची का धड़ ही मिल पाया। पिछले 10 दिन में पांचवां शिकार है। झाड़ोल में आज युवक को शिकार बनाने की खबर आते ही सब लोग सहम गए आखिर पेंथर ओर कितनी जानें लेगा। झाड़ोल के सालू खेड़ा के सरना के पास की घटना बताई जा रही है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके लिए रवाना हो चुकी है। इधर कल शाम करीब सात बजे मजावद ग्राम पंचायत के कुडाऊ की भील बस्ती में नाले के पास हाथ-पांव धो रही सूरज पुत्री गमेर लाल गमेती पर पेंथर ने अचानक घात लगा कर हमला कर दिया। आस-पास खड़े बच्चे देखते ही रह गए और पेंथर बच्ची को लेकर चला गया। उन बच्चों के शोर मचाने पर गांव वाले आए। वे बच्ची सूरज को खोजने निकले। जंगल जंगल छान मारा। घर से करीब 500 मीटर की दूरी पर बच्ची की कटी हथेली मिली। उससे थोड़ा आगे क्षत-विक्षत शव मिला। चेहरे और बाएं हाथ को पेंथर खा गया था। उस बच्ची को देख कर गांव वाले चर्चा कर ही रहे थे कि झाड़ियों के बीच से पेंथर आया और बच्ची का शव खींच कर ले गया। इस बीच हंगामा हो गया व रास्ता जाम कर दिया गया। पेंथर को पकड़ने अलग-अलग टीमें आई। लोगों ने गोगुंदा-झाड़ोल मार्ग को भी दोपहर करीब 12 बजे जाम रखा। अभी कुडाऊ गांव की भील बस्ती के पास रात करीब 11 बजे पिंजरा लगा दिया है। इससे पहल पेंथर गोगुंदा थाना क्षेत्र के छाली ग्राम पंचायत के उंडीथल, भेवड़िया और उमरिया में भी जान ले चुका है। दो तीन पहले तक महज डेढ़ किमी दायरे में 3 पेंथर का मूवमेंट देखा गया था। नए पेंथर का पता चलते ही गोगुंदा, देवला और मावली रेंज के 15 कर्मचारियों की टीम को एक्टिव कर दिया था। बावजूद इसके पेंथर बच्ची का शिकार कर ले गया। सेना ने चलाया था सर्च ऑपरेशन पिछले दिनों इलाके में पेंथर के बढ़ते हमलों को देखते हुए चार जिलों की वन विभाग की रेस्क्यू टीमों और सेना की टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया था। उमरिया के समीप लगाए गए तीन पिंजरों में से दो पिंजरों में 23 सितंबर की रात एक से दो बजे के बीच दो पेंथर कैद हुए थे। इसके बाद जिला प्रशासन ने वन विभाग की पीठ थपथपाई थी मगर नए मामलों से खुशियां काफूर हो गई हैं। अब तक पकड़े गए दो पेंथरों को उदयपुर के बायोलॉजिकल पार्क में रखा गया है।

गर्भवती महिला को जंजीर से बांधकर लॉक लगाया:तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए घरवाले; साढ़े चार घंटे बाद ही दम तोड़ा



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. बांसवाड़ा में 22 साल की गर्भवती महिला को जंजीर से बांधकर लॉक लगाकर अस्पताल ले गए। महिला को देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। करीब साढ़े चार घंटे इलाज के बाद महिला ने दम तोड़ दिया। कुशलगढ़ एएसआई सोहनलाल ने बताया- खेड़िया गांव की निवासी शीतल छह महीने की प्रेग्नेंट थी। वह महीने से बीमार चल रही थी। पिता श्यामलाल गरासिया बुधवार सुबह 10 बजे उसे एमजी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। महिला को एडमिट कर लिया गया। दोपहर 2.30 बजे उसकी मौत हो गई। शीतल का ससुराल पाड़ला गांव में है। गर्दन-कमर पर जंजीर बंधी होने के सवाल पर सोहनलाल ने बताया- परिजनों का कहना है कि शीतल बीमार चल रही थी। भोपा से इलाज कराया तो उसने जंजीर से बांधने को कहा था। हालांकि किसी के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं कराया।

13 दिन पहले पति पीहर छोड़कर गया था शीतल के पिता श्यामलाल ने बताया- बेटी और दामाद शैलेश गुजरात के अहमदाबाद में मजदूरी करते थे। शीतल ज्यादा बीमार रहने लगी तो पति 13 दिन पहले पीहर खेड़िया छोड़ गया था। 10 दिन पहले भी बांसवाड़ा हॉस्पिटल में दिखाया था। पिता बोले- लोगों ने कहा तो भोपा के पास गए थे श्यामलाल ने बताया मेरे घर में पत्नी, तीन बेटे और तीन बेटियां हैं। छह बच्चों में शीतल तीसरे नंबर की थी। बेटी को खेड़िया के पास ताम्बेसरा पीएचसी में दिखाया था। वहां डॉक्टर ने कहा कि कमजोरी है। दवाएं दी, लेकिन तबीयत में सुधार नहीं आया था। उसकी तबीयत बिगड़ती तो वह अजीब सी हरकतें करती। तब लोगों के कहने पर भोपा के पास लेकर गए।

भोपा ने बताया कि शीतल पर भूत-प्रेत का साया है। उसने कमर और गर्दन को जंजीर से बांधने और ताला लगाने की सलाह दी थी। बुधवार सुबह बेटी बेहोश हो गई। इसके बाद उसे पहले ताम्बेसरा पीएचसी लेकर गए, फिर सज्जनगढ़ सीएचसी और उसके बाद बांसवाड़ा जिला हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।

डॉक्टर बोले- 7 ग्राम रह गया था हिमोग्लोबिन एमजी अस्पताल में लाने के बाद डॉ. पवन शर्मा ने जांचें करवाई और इलाज शुरू किया। डॉ. शर्मा के अनुसार- शीतल बेहोश थी, उसे जंजीरों से बंधा देख हैरानी हुई। वह एनीमिया से ग्रसित थी, हिमोग्लोबिन सिर्फ 7 ग्राम था।उसे परिजन ने 10 दिन पहले भी दिखाया था। इसलिए शीतल के केस की पहले से जानकारी थी। तब फिजीशियन ने जांच कर भर्ती किया था, लेकिन परिजन बिना बताए अचानक यहां से ले गए थे। इसके बाद बुधवार को लाए। शरीर में ब्लड की कमी होने के कारण ब्लड बैंक से इंतजाम भी किया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। पुलिस हॉस्पिटल पहुंची तो देखा कि शरीर जंजीर में जकड़ा था।

सीएमएचओ ने कहा- झाड़-फूंक के चक्कर में नहीं पड़े

बांसवाड़ा सीएमएचओ डॉ एच एल ताबियार का कहना है- जनजातीय लोग अब भी बीमार होने पर भोपा और झोलाछाप के पास जाते हैं। इस कारण हालत अधिक बिगड़ जाती है। कई बार वे इस कंडीशन में मरीज को लाते हैं कि बहुत देर हो चुकी होती है, मरीज को बचा पाना मुश्किल हो जाता है। लोगों से अपील है कि वे झाड़फूंक के चक्कर में न पड़कर डॉक्टर से इलाज लें।

11 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर कर्मचारी महासंघ ने किया प्रदर्शन



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। अखिल राज. राज्य कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय मांग दिवस आंदोलन के आह्वान पर संयुक्त महासंघ उदयपुर ने जिलाध्यक्ष शेर सिंह चौहान के नेतृत्व में 11 सूत्रीय मांग पत्र मुख्य सचिव के नाम जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा । चौहान ने बताया कि कर्मचारियों की लंबित मांगे जिसमें पीएफआरडीए अधिनियम को निरस्त कर राज्य कर्मचारियों के 41 हजार करोड रुपए वापस जीपीएफ खाते में जमा करने और राजस्थान में परिभाषित पुरानी पेंशन योजना जारी रखने की पुरजोर मांग की और कर्मचारियों की वेतन विसंगति दूर कर वर्ष 2013 की अनुसूची पांच के अनुसार सातवें वेतन आयोग में वेतन निर्धारण किया जाने आठवें वेतन आयोग का अभिलंब गठन करने, प्रत्येक 5 वर्ष की अवधि में एक बार वेतन संशोधन लागू करने ,9 ,18 ,27 वर्ष की सेवा पर माननीय मुख्यमंत्री की बजट घोषणा संख्या 155 के अनुसार एसीपी के स्थान पर 7,14 ,21 एवं 28 वर्ष की सेवा पर पदोन्नति पद का वेतनमान स्वीकृत करने ,विभिन्न कर्मचारी संगठनों से सरकार द्वारा किए गए समझौते एवं सहमतियों को लागू करने, माह जनवरी 2019 से माह जून 2021 तक का महंगाई भत्ते के एरियर का नगद भुगतान करने, सहायक कर्मचारी को एमटीएस घोषित करने, तृतीय वेतन श्रंखला के शिक्षको के स्थानान्तरण करने तथा सभी कार्मिकों के लिए पारदर्शी स्थानांतरण नीति लागू करने ,ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों को ग्रामीण भत्ता स्वीकृत करने ,सभी संविदा ,आउटसोर्स ,दैनिक वेतन भोगी नियुक्तियां बंद करने तथा सभी संविदा अनियमित कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों का दर्जा देकर वेतनमान देने , सभी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सभी रिक्त पदों को नियमित नियुक्तियों से भरने ,प्रदेश के मंत्रालय कर्मचारियों को शासन सचिवालय के समान वेतन भत्ते स्वीकृत करने, प्रदेश के विभिन्न विभागों पंचायती राज संस्थाओं एवं निगम बोर्ड के हजारों कर्मचारियों अधिकारियों की समय बद्ध पदोन्नति के लिए कार्मिक विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों व सक्षम अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए जाने तथा पदोन्नतियों की समीक्षा के लिए बार-बार प्रगति रिपोर्ट भी मंगवाई जाती रहती है इसके उपरांत भी विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्षों के द्वारा सामान्य पदोन्नतियां नहीं किए जाने पर रोष जताया।

कंटेनर से 823.350 किलो डोडाचूरा बरामद, कवर कार्गो के बीच 43 कट्टों में भरी थी नशे की खेप, एक गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की चित्तौड़गढ़ और कोटा की टीम ने 823.350 किलो डोडाचूरा जब्त किया है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी किराने के सामान के कार्टन की आड़ में इसे लेकर जा रहा था। डोडाचूरा एक बंद कंटेनर में लेकर जाया जा रहा था।

सीबीएन आसूचना प्रकोष्ठ दल के अधीक्षक डीके सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक में डोडाचूरा लेकर जाया जा रहा है। इस पर सीबीएन की चित्तौड़गढ़ सेल और कोटा के अधिकारियों की निवारक टीम ने चित्तौड़गढ़-उदयपुर नेशनल हाईवे पर देवरी गांव के पास एक हरियाणा पासिंग कंटेनर के रोका। संदिग्ध लगने पर कंटेनर की तलाशी ली गई। कंटेनर में कवर कार्गो के रूप में किराने का सामान भरा हुआ था। 43 कट्टों में भरा हुआ था डोडाचूरा पूछताछ करने के दौरान ड्राइवर ने बताया कि वह यह माल मंगलवार से दिल्ली की ओर लेकर जा रहा है। दिल्ली की ही एक कंपनी में वह काम करता है। जब सभी कवर कार्गो को हटाकर देखा गया तो उसके पीछे 43 कट्टे रखे हुए थे। माल सहित कंटेनर को ऑफिस लाया गया। जहां तलाशी के दौरान कट्टों में डोडाचूरा भरा हुआ पाया गया। तौल करने पर उसमें 823.350 किलोग्राम डोडाचूरा भरा हुआ मिला। टीम ने सभी माल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

दिव्यांग स्कूटी योजना में आवेदन आमंत्रित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 26 सितंबर। राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2024 हेतु विशेष योग्यजन के आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक गिरीश भटनागर ने बताया कि इच्छुक आवेदक अपने आवेदन प्रस्ताव निर्धारित प्रपत्र में 30 नवंबर तक ऑनलाइन अपनी एसएसओ आईडी से एसजेएमएस आइकन के माध्यम से प्रेषित कर सकते हैं। आवेदन के लिये विशेष योग्यजन पेंशन प्राप्त कर रहे आवेदक को आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने की बाध्यता नहीं होगी, उनको पेंशन पी.पी.ओ. लगाना होगा। उन्होंने बताया कि जो विशेष योग्यजन पेंशन प्राप्त नहीं कर रहे उनकी माता/पिता एवं स्वयं की संकलित आय 2 लाख रुपये वार्षिक से अधिक नहीं होनी चाहिये। उनकी निःशक्तता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिये। यह योजना राजस्थान के मूल निवासियों के लिये ही है। कॉलेज जाने वाले, रोजगार करने वाले विशेष योग्यजन को वरीयता दी जावेगी। आवेदक को वांछित दस्तावेजों के साथ ड्राईविंग लाईसेन्स की स्वप्रमाणित प्रति भी देनी होगी। प्राप्त आवेदनों में से पात्रजन का चयन जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित कमेटी द्वारा किया जायेगा।

सकल जैन समाज की ऐतिहासिक उदयपुर से श्री अणिन्दा पार्श्वनाथ पदयात्रा 28 को



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट उदयपुर। चलो अणिन्दा पार्श्वनाथ पदयात्रा का आह्वान किया गया है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 28 सितंबर शनिवार को उदयपुर से श्री अणिन्दा जैन तीर्थ पार्श्वनाथ पदयात्रा का कार्यक्रम रखा गया है । इसमें नवयुवक मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्युषण पर्व के समापन पर सकल जैन समाज की 23वीं अणिन्दा पार्श्वनाथ पदयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अनुमानतः 360 से 400 पदयात्रियों के सम्मिलित होने की संभावना है। यह पदयात्रा उदयपुर से 28 अगस्त शनिवार को श्री दिगम्बर जैन बीसा नरसिंहपुरा समाज का नोहरा, तारणी की सेहरी, मण्डी की नाल से सुबह 7 बजे रवाना होकर देबारी पार्श्ववनाथ मंदिर होते हुए डबोक पहुचेंगी। यहां पदयात्रियों को दोपहर का भोजन करा कर पुनः रात्रि 7 बजे से अणिन्दा पहुँच कर रात्रि विश्राम का कार्यक्रम है। अगले दिन रविवार प्रातः सेवा-पूजा, नाश्ता एवं दिन के भोजन के पश्चात् पुनः बसों से उदयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।